आध्यात्मिक मेले में उमड़ा जन-सैलाब

19 लाख आत्माओं को मिला परमात्मा का संदेश एवं परमात्म अवतरण व उनके द्वारा किए जा रहे कर्तव्य की जानकारी

वराछा-सूरत। अमरनाथ मेले के उद्घाटन अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए ब्र.कु.जयन्ती। मंचासीन हैं कमलेशभाई याज्ञिक, लवजीभाई बादशाह, हिम्मतभाई। अमरनाथ मेले को देखने के लिए उमड़ी भीड़।

वराछा-सूरत। ब्रह्माकुमारीज़ की विदेश सेवा की डायरेक्टर ब्र.कु.जयन्ती ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारत एक अध्यात्म प्रधान देश है जहाँ अनेक त्योहार मनाए जाते हैं परन्तु वर्तमान समय जबकि केवल परंपराएँ ही रह गई हैं तब यह दिव्य दर्शन मेला स्मृति दिलाएगा कि वो अमरनाथ परमात्मा कौन है? उसका सत्य परिचय क्या है? कर्तव्य क्या है? इस मेले से सारे ईश्वरीय रहस्य स्पष्ट होंगे। इस भव्य मेले के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में चैम्बर ऑफ कॉमर्स के प्रेसीडेंट कमलेशभाई याज्ञिक, प्रसिद्ध बिल्डर लवजीभाई बादशाह, हरेकृष्ण एक्सपोर्ट के चेयरमैन हिम्मतभाई आदि उपस्थित रहे। इसके अलावा शहर के 75 विशिष्ट प्रतिभा संपन्न नागरिकों ने दीप प्रज्वलन किया। कार्यक्रम में उपस्थित महानुभावों एवं सर्व आमंत्रित अतिथियों का स्वागत करते हुए सूरत,वराछा सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु.तृप्ति ने बताया कि कालचक्र फिरता रहता है, समय बीतता चला जाता है, रह जाती हैं तो केवल स्मृतियाँ। समय एक अमूल्य खज़ाना है। इस मेले के दर्शन से जन-जन के मन से अनेक नकारात्मकताएँ दूर होंगी और सुख-शांति एवं पवित्रता की अनुभूति होगी। अमरनाथ मेले के 10 दिन के आयोजन में सूरत के 19 लाख से भी अधिक भाई-बहनों ने लाभ उठाया। मेले के पश्चात् हजारों की संख्या में लोगों ने राजयोग अनुभूति शिविर का लाभ लिया।

- हज़ारों की संख्या में लोगों ने लिया राजयोग अनुभूति शिविर का लाभ

नारी सुरक्षा के लिए आध्यात्मिक जीवन ज़रूरी - ब्र.कु.मनोरमा

भिलाई नगर । नारी जितनी सहन-शक्ति किसी में नहीं है। नारी दया, क्षमा, करुणा की प्रतिमूर्ति है। बहन, बेटी, प्रेयसी, माँ के रूप में नारी हौसला देती है। उक्त उद्गार ब्र.कु. मनोरमा,इलाहाबाद ने प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, पीस ऑडिटोरियम में नारी सशक्तिकरण सम्मेलन के दौरान "नारी सम्मान से राष्ट्र उत्थान " विषय पर व्यक्त किये। आगे उन्होंने कहा कि आधुनिकता व आयातित संस्कृति के कारण हमारे परिधान कम होते जा रहे हैं। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं। डिग्रियाँ तो हमारे पास बहुत हो गई हैं लेकिन डिग्रियों के साथ-साथ अध्यात्म के बीज बोना बहुत ज़रूरी है। संयुक्त परिवार में बुज़ुर्गों से बच्चों को संस्कार मिलते हैं। आधुनिकता मूल्यनिष्ठ समाज की झांकी नहीं दिखा सकती। उन्होंने सर्व माताओं, बहनों का आह्वान करते हुए कहा कि नारी सुरक्षा कानूनों से नहीं होगी। इसके लिए स्वयं को सशक्त बनाना होगा, अध्यात्म को जीवन में लाना होगा। स्व के मान में रहना होगा। जगत नियंता से नि:स्वार्थ प्रेम लेकर सर्व को नि:स्वार्थ बांटें तो वह बढ़ता जायेगा।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रामशीला साहू,मंत्री,महिला एवं बाल विकास विभाग,छत्तीसगढ़ शासन ने इस आयोजन के लिए ब्रह्माकुमारी बहनों को धन्यवाद देते हुए कहा कि संसार नारी शक्ति से चल रहा है। हमको सम्मानित माना जा रहा है तो हम अपने सम्मान को बनाये रखें। अपनी शक्तियों को बढ़ाते जायें। कहीं भी कोई ऐसा कार्य न करें जिससे सम्मान पर उंगली उठे। वह दिन दूर नहीं जब हम नारियां ही भारत को विश्व में गौरवमयी स्थान दिलायेंगी। निर्मला यादव,महापौर नगर पालिका निगम,भिलाई ने कहा कि प्राचीन काल से ही महिलायें परिवार, समाज व विश्व-कल्याण के लिए अपना योगदान देती आ रही हैं। अपने परिवार व समाज की खुशहाली के लिए व्रत-उपवास भी मातायें, बहनें ही करती हैं। उन्होंने महिलाओं को नमन करते हुए कहा कि महिलायें परिवार का आधार स्तंभ हैं। उनके बिना परिवार व समाज आगे नहीं बढ़ सकता। उन्होंने ब्रह्माकुमारी संस्था में अपने आने के अनुभव से कहा कि यहाँ आने से हमें एक आध्यात्मिक ऊर्जा मिलती है जिससे हम घर, परिवार व समाज में जाकर अच्छे कार्य करते हैं। महिलायें समाज की वह नींव हैं जिस पर सभ्य समाज की बिल्डिंग बन सकती है। कार्यक्रम में स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए ब्र.कु.आशा,भिलाई सेवाकेन्द्र की मुख्य संचालिका ने कहा कि नारियाँ शिव-शक्तियाँ हैं। स्वयं परमपिता परमात्मा ने आकर हम साधारण कन्याओं व माताओं की सोई हुई शक्तियों को जागृत किया जो सारे विश्व में आत्माओं को जगाने का कार्य कर रही हैं। इसी तारतम्य में चारू जगदाले,उपाध्यक्ष भिलाई महिला समाज ने भी ऐसे कार्यक्रम के लिए अपनी शुभकामनायें दीं व अपने साथ-साथ औरों के लिए भी कुछ अच्छा करने का आह्वान किया।

सर्वप्रथम दुर्ग के ब्र.कु. युगरतन ने सुन्दर गीत से सभी का स्वागत किया। इसके बाद दीप प्रज्वलित कर विधिवत् सम्मेलन का उद्घाटन किया गया। ब्र.कु. प्राची ने राजयोग मेडिटेशन द्वारा शांति की गहन अनुभूति कराई। सुन्दर मंच संचालन ब्र.कु. तारिका द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन नीता जैन, अध्यक्ष बार एसोसिएशन द्वारा किया गया।

भिलाई नगर । अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर "नारी सम्मान से राष्ट्र उत्थान " विषय पर आयोजित नारी सशक्तिकरण सम्मेलन के दौरान अपने विचार व्यक्त करते हुए निर्मला यादव,महापौर। मंचासीन हैं रामशीला साहू, ब्र.कु.मनोरमा, ब्र.कु.आशा तथा अन्य। कार्यक्रम का लाभ उठाते हुए बहनें व माताएँ।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510
सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088, Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 170 रुपये, तीन वर्ष 510 रुपये, आजीवन 4000 रुपये । विदेश - 2000 रुपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/12-14, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2013-14, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 4th April 2014
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।